

Programme : M. A. (Konkani)

Course code : KON - 623

Title of the Course : पाश्चात्य काव्यशास्त्राचो अभ्यास (Study of Western Poetics)

Number of Credits: 04

Effective From AY : 2022 - 2023

Objectives :	<ol style="list-style-type: none">1. विद्यार्थ्यांक पाश्चात्य (अस्तंती) काव्यशास्त्राची वळख घडटली.2. विद्यार्थी पाश्चात्य (अस्तंती) विचारधारा समजतले.3. पाश्चात्य काव्य संकल्पनांची वळख जातली.4. कोंकणी काव्याच्या अभ्यासाक शास्त्रीय बसका मेळटली	
		वरां
Content:	<ol style="list-style-type: none">1. पाश्चात्य (अस्तंती) काव्य शास्त्र : विकास क्रम :<ul style="list-style-type: none">- ग्रीक काव्यशास्त्र - रोमी काव्यशास्त्र- काळखी यूग – पुनर्जागरण यूग- नवशास्त्रवादी यूग / नव अभिजात यूग – स्वच्छंदतावादी यूग- आधुनीक समिक्षेची विचारधारा.	04
	<ol style="list-style-type: none">2. प्लेटो (427 इ.स.प. - 347 इ.स.प.) :<ul style="list-style-type: none">- एथेन्साचो इतिहास- प्लेटोचे काव्याचेर आशिल्ले आक्षेप- काव्य, दैवी प्रेरणा, सत्या पासून पयस, अनुकरण, काव्य सृजन प्रक्रिया- काव्य आनी नैतिकता, भावना, बौद्धीक विकास, उपेग, काव्याचें प्रयोजन	08
	<ol style="list-style-type: none">3. ऍरिस्टॉटल (384 इ.स.प.- 320 इ.स.प.) :<ul style="list-style-type: none">- काव्य उद्ग- कलेची व्याख्या आनी वर्गीकरण- अनुकरण सिद्धांत- त्रासदी, कॉमेडी, विवेचन (आरेख – chart)- त्रासदीचे घटक आनी त्रासदीचो हिरो (हिरो)- विरेचन सिद्धांत- त्रासदी आनी महाकाव्य – फरक	08
	<ol style="list-style-type: none">4. लॉजइनस (पयलें वा तिसरें शतमान) :<ul style="list-style-type: none">- काव्याची उदात्तता- उदात्ततेची पंच-सुत्रां- उदात्तते फाटले उपघटक	08
	<ol style="list-style-type: none">5. विलियम वर्डसवर्थ (ई. स 1770 - 1850 आनी सैम्युअल टैलर कोलरीज (ई. स 1772 – 1834) :<ul style="list-style-type: none">- काव्य परिभाशा – काव्य गूण – काव्य प्रयोजन- काव्य – भास कॉलरीज – वर्डसवर्थाचो समकालीन	08
	<ol style="list-style-type: none">6. मैथ्यू आर्नोल्ड :- ई. स 1822 -1889<ul style="list-style-type: none">- काव्य विशय- समिक्षा आनी समिक्षेचे गूण	08
	<ol style="list-style-type: none">7. टी. एस. एलियट :- ई.स 1888 - 1964<ul style="list-style-type: none">- क्लासिकवाद – क्लासिक कोण?- कला आनी निर्वैयक्तिकता – कवितेचे तीन स्वर – आंतर संबंद.	08
	<ol style="list-style-type: none">8. आय. ए. रिचर्डस (1889 -1979 ई.स.) :	08

	<p>- अर्थ आनी ताचे प्रकार</p> <p>- काव्य समिक्षेच्या मळार नव्या विचारांचें योगदान</p>	
	वट्ट	60
Pedagogy	व्याख्यान, स्वाध्याय, कार्यशाळा, प्रात्यक्षिकां, गटचर्चा, सादरीकरण	
References/Readings	<ol style="list-style-type: none"> 1. बुडकुले, डॉ. किरण. <i>पश्चिमी समिक्षेकडेन इश्टागत</i>, पणजी : राजहंस वितरणा, १९९८. 2. खांडेकार, प्रा.भालचंद्र. गोविलकर, डॉ. लीला. <i>पाश्चात्य साहित्यविचार</i>, पुणे : अनमोल प्रकाशन, 1989. 3. करंदीकर, गो.वि. <i>एरिस्टोटलचे काव्यशास्त्र (भाषांतर)</i>, मुंबई : मौज, 1978. 4. धायगुडे, डॉ. सुरेश. <i>पाश्चात्य साहित्यशास्त्र</i>, सिद्धांत आनी संकल्पना, पुणे. 5. भागीरथ, मिश्र. <i>काव्यशास्त्र</i>, भेलापूरवाराणसी: विश्वविद्यालय प्र. 1980. 6. निर्मला, जैन. <i>पाश्चात्य साहित्य चिंतन</i>. जगतपुरी, दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. 1990. 7. गुप्त, गणपतिचन्द्र. <i>भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत</i>, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन, 2009. 8. मिश्र, डॉ. सभापति. <i>भारतीयकाव्यशास्त्र एवं पाश्चात्यसाहित्य चिंतन</i>, इलाहाबाद : जयभारती प्रकाशन, संस्करण, 2007. 9. Tilak, Dr. Raghukul. <i>History and Principles of Literary Criticism</i>, Rama Brothers, 2002. 10. Barry, Peter. <i>Beginning Theory: An Introduction to Literary and Cultural Theory</i>, Manchester University Press, 2002. 11. Bennett, Andrew, and Nicholas Royle. <i>An Introduction to Literature, Criticism and Theory</i>, Pearson Education Limited, 2009. 	
Learning Outcomes	<ol style="list-style-type: none"> 1. पाश्चात्य (अस्तंती) काव्यशास्त्राची वळख जातली. 2. पाश्चात्य (अस्तंती) काव्यशास्त्राचें वेगळेपण लक्षांत येतलें. 	